इस अंक में...

ठाणे में बिखरी शेखावटी मारवाड़ की फागुणी छटा

20

- रसमय राजस्थान...05
- राजस्थानी लोकगीतों में बसती है रिश्तों की महक...08
- राजस्थानी लोक धुनें...10
- पखावज से मिली नई पहचान...13
- भरतपुर में दिया था टैगोर ने अध्यक्षीय भाषण...14
- चैत्र की चांदनी खेतों में फैली है...16
- जगमग ज्वैलरी जयपुर की...18
- राजस्थानी संस्कृति का सांगीतिक दूत है वीणा...23
- नारी सौंदर्य को संवारते फिल्मी गीतों में गहने...26
- हमारे संगीत की मूल आत्मा भक्ति है...29
- मौन भाषा है 'नृत्य'...32
- इल्मे मूसिकी...34
- मुंह बोलती काष्ठ कला...37
- जल और पाद्य, अर्घ्य, आचमन के विधान...38
- सूखी सब्जियों का बेजोड़ स्वाद...40
- एक संगीत मनीषी का महाप्रयाण...42

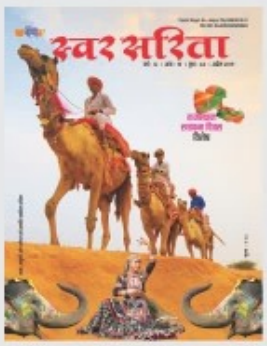

प्रधान सम्पादक: के.सी. मालू
सम्पादक : डॉ. देवदत्त शर्मा
प्रबंध सम्पादक : हेमजीत मालू

स्वर सरिता में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, आवश्यक नहीं कि सम्पादक मण्डल उनसे सहमत हो।

सम्पर्क सूत्र
सम्पादक, स्वर सरिता, वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003
फोन : 2570517, 2572666
website
http://www.veenaswarsarita.com
mail
veenaprakashan@gmail.com

स्वत्त्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी के.सी. मालू (केशरीचन्द मालू) द्वारा दी डायमण्ड प्रिंटिंग प्रेस, 9, एम.एस.बी. का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर से मुद्रित तथा वीणा प्रकाशन, हल्दिया हाउस, जौहरी बाजार, जयपुर-302003 से प्रकाशित।